उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध समाचार पत्र

www.tvindialive.in

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष–17
अंक–47
पृष्ठ–12
मूल्य दो रूपया
बांदा, रविवार 04 अक्टूबर, 2026

RNI No.: UPHIN2008/32664

ज्ञानेश कुमार की बढ़ेंगी मुश्किलें, 20 साल पुराने केस की होगी पड़ताल

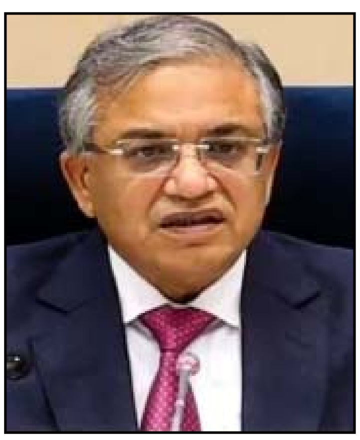

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े करीब 20 साल पुराने एक मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने 2006 में हुई मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या के मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। उस समय ज्ञानेश कुमार केरल के लोक निर्माण विभाग के सचिव थे। आरोप है कि ली सी बीन के कथित सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम भी सामने आया था।

ली सी बीन केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत एमसी रोड के उन्नयन का काम कर रहे च।ज्–ठम्स कंसोर्टियम से जुड़े थे। उनकी आत्महत्या के बाद मामले की जांच शुरू हुई थी। हालांकि, अब सरकार ने पुराने घटनाक्रम के साथ–साथ जांच की प्रक्रिया पर उठे सवालों की भी पड़ताल कराने का फैसला किया है।

सरकार की ओर से जांच के दायरे में उन आरोपों को भी शामिल किया गया है, जिनमें कहा गया है कि मामले की जांच को प्रभावित करने के लिए बाहरी दबाव डाला गया था। आरोप है कि मूल जांच को बीच में ही प्रभावित किया गया और मामले की निष्पक्ष पड़ताल नहीं हो सकी। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने विजिलेंस निदेशक को मामले की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि 2006 में मामले की जांच किस तरह आगे बढ़ी थी, क्या किसी स्तर पर जांच में हस्तक्षेप किया गया और क्या किसी व्यक्ति या संस्था की ओर से जांच को प्रभावित करने के लिए अनुचित दबाव डाला गया था।

यह मामला केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत एमसी रोड के उन्नयन से जुड़ा है। परियोजना में च।ज्–ठम्स कंसोर्टियम शामिल था और ली सी बीन इसी कंसोर्टियम से जुड़े सिविल इंजीनियर थे। उनकी मौत के बाद सामने आए कथित सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम होने की बात कही गई थी, जिसके बाद मामले को लेकर सवाल उठे थे।

सीएम सैनी ने प्रदूषण बोर्ड के 2 क्षेत्रीय अधिकारी सस्पेंड किए

चंडीगढ़, एजेंसी। गुरुग्राम में विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दो क्षेत्रीय अधिकारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए। गुरुग्राम उत्तर की क्षेत्रीय अधिकारी आकांक्षा और गुरुग्राम दक्षिण के क्षेत्रीय अधिकारी मुकुल कुमार को निलंबित किया गया है।बताया गया है कि दोनों अधिकारियों के खिलाफ गुरुग्राम की विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों में प्रदूषण और पर्यावरण से जुड़े मामलों में कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए गए थे। विकास परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री के संज्ञान में शिकायतें आने के बाद यह कार्रवाई की गई।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुरुग्राम में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े मामलों में गंभीरता से कार्रवाई करने और नियमों की अनदेखी पर सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए।

अवैध परिवहन करते 1,400 लीटर डीजल जब्त, चालक गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में खमतराई थाना पुलिस ने डीजल के अवैध परिवहन के मामले में कार्रवाई करते हुए एक टाटा इंट्रा वाहन से करीब 1,400 लीटर डीजल जब्त कर वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डीजल और वाहन समेत करीब 6.40 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। पुलिस से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार, खमतराई थाना पुलिस की टीम क्षेत्र में भ्रमण पर थी। इसी दौरान मुखबिर से भनपुरी की ओर से खमतराई की तरफ एक मेटाडोर वाहन में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ डीजल लाए जाने की सूचना मिली।

नमो सेवा नाटक के जरिये दिया देशभक्ति का संदेश

अंबाला, एजेंसी। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा की ओर से रौलां गांव स्थित शिव मंदिर परिसर में नमो सेवा, अनकही कहानियां कार्यक्रम के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ। दीक्षा एंड पार्टी के कलाकारों ने जीवंत अभिनय और ओजस्वी संवादों से ग्रामीणों में राष्ट्रप्रेम और सेवा भाव का अलख जगाया।

नाटक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को मंच पर बेहद सरल व मनोरंजक तरीके से दर्शाया गया। भाजपा जिला सचिव रमन वासन और मंडल अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने कहा कि नुक्कड़ नाटक लोक कला का सशक्त माध्यम है, जो युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर ग्रामीण, महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे।

ऋषिकेश में कूड़ा निस्तारण केंद्र की दुर्गंध से भड़के ग्रामीणों का धरना

ऋषिकेश, एजेंसी। उत्तराखंड में ऋषिकेश नगर निगम द्वारा अमित ग्राम गुमानीवाला के लाल पानी बीट स्थित नवनिर्मित कूड़ा निस्तारण केंद्र से उठ रही असहनीय दुर्गंध को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फिर सड़कों पर उतर आया। अमित ग्राम, गुमानीवाला, टोंगिया प्लांटेशन, गुज्जर बस्ती और मनसा देवी समेत आसपास के ग्रामीणों ने केंद्र के समीप प्रदर्शन कर कूड़ा निस्तारण केंद्र को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग की। ग्रामीणों ने केंद्र के बाहर सांकेतिक धरना देकर नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की।

शिक्षा से ही बच्चों के बेहतर भविष्य का रास्ता खुलता है : राज्यपाल

पटना, एजेंसी। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने और बेहतर भविष्य बनाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है और बच्चों से किसी भी परिस्थिति में पढ़ाई नहीं छोड़ना चाहिए। राज्यपाल ने आज बिहार लोक भवन में टीम सहयोगी संस्था के बच्चों, स्वयंसेवकों और समन्वयकों से मुलाकात के दौरान यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

धोखाधड़ी मामले में दो गिरफ्तार

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1,417.86 करोड़ रुपये के यूनिक एक्सपोर्ट्स निवेश धोखाधड़ी मामले में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि ईडी के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय–2 ने यूनिक एक्सपोर्ट्स और उससे जुड़ी कंपनियों से जुड़े निवेश धोखाधड़ी और धन शोधन की जांच के सिलसिले में मास्टरमाइंड एस. नवीन कुमार और एस. मुथुसेल्वन को धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है।

मसूरी और कैंची धाम में पर्यटकों का सैलाब

मसूरी, एजेंसी। उत्तराखंड में वीकेंड पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे।

इस दौरान मसूरी और कैंची धाम में जाम के झाम से निपटने के लिए किए गए पुलिस के इंतजाम भी कम पड़ गए।

मथुरा में मिला कवि दीनदयाल व चंद्रप्रकाश को हिंदी भक्त सम्मान

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। मथुरा के श्री देव संस्कृति सभागार में राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित हुआ।

इसमें बांदा के शिक्षक दीनदयाल सोनी स्वर्ण और हास्य कवि चंद्रप्रकाश व्यथित को हिंदी भक्त सम्मान–2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें हिंदी भाषा व साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला। कार्यक्रम प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा ने आयोजित किया।

दीनदयाल सोनी स्वर्ण चित्राक्षर विधा के प्रवर्तक हैं। उनके काव्य संग्रह प्रकाशित हैं, वह खड़ी हिंदी में रचनाएं करते हैं और मंच संचालन में भी सिद्धहस्त हैं। उनकी रचनाओं का प्रसारण आकाशवाणी छतरपुर से भी होता रहा है। सम्मेलन में देशभर के कवियों ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन भैरू सुनार व प्रदीप मिश्र अजनबी ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. धर्म प्रकाश वाजपेयी और डॉ. राधेश्याम दुबे श्याम फतनपुरी थे।

गांधी–शास्त्री जयंती पर सेवा का संकल्प

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कलक्ट्रेट में डीएम अमित आसेरी और पुलिस लाइन में एसपी पलाश बंसल ने महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

डीएम ने कहा कि गांधीजी के सत्य, अहिंसा, सेवा और स्वच्छता व शास्त्रीजी की सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की भावना सभी के लिए प्रेरणादायी है।

एसपी पलाश बंसल ने कहा कि दोनों महापुरुषों के आदर्शों को केवल स्मरण करने तक सीमित न रखकर उन्हें आचरण और दैनिक कार्यशैली में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

जिला अस्पताल में डीएम और एसपी ने मरीजों को फल–मिष्ठान वितरित किए। अधिकारियों ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी शुभारंभ किया। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

गया। नगर पालिका में चेयरमैन मालती गुप्ता बासू, जिला पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष सुनील पटेल और विकास भवन में सीडीओ अजय कुमार पांडेय ने भी श्रद्धांजलि दी। दृष्टिबाधित विद्यालय के बच्चों ने रघुपति राघव राजा राम की प्रस्तुति दी। महाराणा प्रताप चौराहे के पार्क में आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज के छात्रों ने पॉक्सो अधिनियम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दीवानी न्यायालय परिसर से प्रभात फेरी निकाली गई। जिला जज अल्पना ने हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। संत कृपाल सिंह विधि महाविद्यालय में पॉक्सो एक्ट को लेकर विधिक जागरूकता शिविर हुआ। जिला जज ने कहा कि गांधीजी और शास्त्रीजी के जीवन संघर्षों से समाज को सत्य, सेवा और कर्तव्य के प्रति प्रेरणा लेनी चाहिए।

दहेज हत्या में पति, सास–ससुर को 10–10 साल की सजा

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। दहेज हत्या के मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार राय की अदालत ने पति, सास और ससुर को दोषी करार देते हुए 10–10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने तीनों पर पांच–पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। छिमौली गांव निवासी फूल सिंह की बेटी मीरा निषाद की शादी 29 मई 2020 को हंसराज निषाद के साथ हुई थी। आरोप था कि शादी के बाद ससुराल वाले दहेज में 1.50 लाख रुपये और भैंस की मांग करते थे। मांग पूरी न होने पर मीरा के साथ मारपीट और प्रताड़ना की जाती थी। मामले को लेकर पंचायत भी हुई थी। इसके बाद भी मीरा का उत्पीड़न जारी रहा। दो अक्तूबर 2022 को ससुराल में मीरा को केरोसिन डालकर जला दिया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम में शरीर का करीब 97 से 98 प्रतिशत हिस्सा जला मिला था।

फूल सिंह की तहरीर पर पांच अक्तूबर 2022 को मौदहा कोतवाली में हंसराज, रामऔतार, मुलिया, सरजू और अर्जुन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पति को छह अक्तूबर 2022 को गिरफ्तार किया गया जबकि सास को 12 नवंबर व ससुर को सात दिसंबर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था।

विवेचना के बाद पुलिस ने पति हंसराज, ससुर रामऔतार और सास मुलिया के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। वहीं सरजू और अर्जुन के खिलाफ अंतिम रिपोर्ट लगा दी।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर हंसराज, रामऔतार और मुलिया को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

मारपीट में घायल की उपचार के दौरान मौत

टी0आई0एल0 संवाददाता

उरई। जिले में रामपुरा थाना क्षेत्र के छोटी बेड़ कदमपुरा गांव में दाह संस्कार से लौट रहे व्यक्ति के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। आठ दिन तक ग्वालियर में चले उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शव गांव पहुंचने पर परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। सीओ के आश्वासन के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए।

गांव निवासी रमेश उर्फ पप्पू दाह संस्कार में शामिल होने गए थे। वहां से लौटते समय रास्ते में घात लगाए बैठे चार लोगों ने उन्हें रोक लिया और मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसी दौरान उनके भाई और भतीजे ने उन्हें पिटते हुए देखा, तो हमलावर मौके से भाग गए। परिजन घायल रमेश को रामपुरा अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया गया। वहां आठ दिन तक उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

रमेश का शव गांव पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। उन्होंने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। बाद में सीओ अंबुज सिंह यादव मौके पर पहुंचे और जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए।

रमेश मजदूरी और खेती करके परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनकी मौत से पत्नी मीरा देवी, बेटे विनय (21), विकास (18) और 15 वर्षीय बेटी ज्योति का रो–रोकर बुरा हाल है। उनकी दो विवाहित बेटियां भी हैं। परिवार के मुखिया की मौत से परिजनों के सामने भरण–पोषण का संकट खड़ा हो गया है। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई की बात कह रही है।

पति से नाराज होकर घर से निकली आदिवासी महिला से सामूहिक दुष्कर्म

टी0आई0एल0 संवाददाता

चित्रकूट । आदिवासी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर मौका मुआयना किया।

फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो की तलाश जारी है। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। महिला पति से नाराज होकर जंगल की तरफ चली गई थी। दोपहर पीड़िता के पति की पहली पत्नी मायके से दो बच्चों के साथ ससुराल आई थी। ससुराल में दूसरी पत्नी से उसका विवाद हो गया। पति समझाकर पहली पत्नी को ऑटो से वापस मायके भेजने चला गया। इसी बीच दूसरी पत्नी नाराज होकर घर से निकलकर जंगल की ओर चली गई।

आरोप है कि गांव निवासी छैला कोल महिला को पति के बुलाने का बहाना बताकर जंगल में ले गया जहां पहले से मौजूद छोटकू व पुरुषोत्तम के साथ मिलकर महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। काफी देर तक महिला घर नहीं पहुंची तो पति खोजबीन में जुट गया। इसी बीच देर शाम करीब छह बजे महिला घर लौट रही थी। रास्ते में मिले पति को उसने वारदात के बारे में जानकारी दी।

चितौरा–चितौरी में एक माह से पेयजल संकट

टी0आई0एल0 संवाददात

उरई। जल संस्थान का ट्यूबवेल खराब होने से चितौरा और चितौरी गांव की करीब साढ़े तीन हजार आबादी एक माह से पेयजल संकट झेल रही है। अधिकारियों ने ट्यूबवेल का रिबोर कराने और तब तक टैंकर से पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन एक माह बाद भी न रिबोर शुरू हुआ और न टैंकर पहुंचा। पानी के लिए ग्रामीणों को सुबह से ही हैंडपंपों पर कतार लगानी पड़ रही है।

प्रयागराज के आशीष गुप्ता बने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता

टी0आई0एल0 संवाददाता

प्रयागराज।। भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष और पूर्व पार्षद आशीष गुप्ता को भाजपा के प्रदेश संगठन ने प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी है। नई जिम्मेदारी मिलने की सूचना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समाज के विभिन्न लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आशीष गुप्ता इससे पहले भी संगठन में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। वह प्रदेश मीडिया संपर्क प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। संगठनात्मक कार्यों और मीडिया से समन्वय के अनुभव को देखते हुए उन्हें प्रदेश प्रवक्ता की नई जिम्मेदारी दी गई है। उनके प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। बधाई देने वालों में भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, डॉ. शैलेश पांडेय, मीडिया प्रभारी पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, प्रमोद मोदी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।

सीपी दफ्तर-थाने से चंद कदम दूर चोरी

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। एसीपी कलक्टरगंज दफ्तर और थाने से चंद कदम की दूरी पर किराना कारोबारी की दुकान में दीवार काटकर देर रात हुई चोरी ने पुलिस की रात्रि गश्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। नयागंज के कारोबारी सज्जन गुप्ता की दुकान को निशाना बनाकर चोर करीब दो लाख रुपये के ड्राई फ्रूट्स और 35 हजार रुपये नकद ले गए। रात में चोर दुकान की दीवार में सेंध लगाकर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद सामान और नकदी समेटकर निकल गए। सुबह दुकान खोलने पर व्यापारी को चोरी का पता चला। सूचना पर संबंधित जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और एसीपी कलक्टरगंज को फोन कर घटना पर नाराजगी जताई। एसीपी के निर्देश पर फॉरेंसिक टीम और कलक्टरगंज थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे।

टीम ने घटनास्थल की जांच कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। वारदात ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर इसलिए भी सवाल खड़े किए हैं, क्योंकि थाना और एसीपी कार्यालय के इतने करीब चोरों ने दीवार काटकर दुकान में प्रवेश किया। सेंधमारी के लिए चोरों को समय लगा होगा, लेकिन पुलिस गश्त के दौरान उनकी गतिविधि पकड़ में नहीं आई। इससे बाजार क्षेत्र में रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापारी नाराज हैं। पुलिस अधिकारियों ने जल्द चोरी का खुलासा करने का आश्वासन दिया है। वहीं, जनप्रतिनिधि ने अधिकारियों से कहा कि घटना का शीघ्र खुलासा करने के साथ बाजार में आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई में देरी होने पर उच्च अधिकारियों से शिकायत की जाएगी। अब पुलिस के सामने चोरों की पहचान और माल बरामद करने के साथ नयागंज जैसे प्रमुख कारोबारी क्षेत्र में गश्त और निगरानी की व्यवस्था को लेकर उठे सवालों का जवाब देने की चुनौती भी है।

वाराणसी में प्रस्तावित देश के सबसे बड़े एयर शो में भीड़ प्रबंधन को लेकर अफसर सतर्क

टी0आई0एल0 संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में 22, 23 एवं 25 अक्तूबर को प्रस्तावित देश के सबसे बड़े एयर शो की तैयारियों पर जिला प्रशासन की नजर है। वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर एस.राजलिंगम, पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने एयर शो की तैयारियों को लेकर प्रमुख गंगा घाटों एवं स्थलों का जायजा लेने के बाद भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) पर जोर दिया। आला अफसरों ने मातहत अफसरों को सुगम यातायात, ट्रैफिक डायवर्जन एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा–निर्देश दिया।

अफसरों ने पड़ाव चौराहा, रामनगर बाईपास, टेंगरा मोड़, डोमरी गंगा घाट, कोदोपुर घाट एवं पड़ाव चौराहा से संदहा रिंग रोड तक सहित प्रमुख स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान आयोजन स्थल, दर्शक क्षेत्रों, आवागमन मार्गों, पार्किंग स्थलों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी चन्दौली तथा पुलिस एवं प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय कर एयर शो के दौरान संभावित भीड़ के प्रबंधन, यातायात संचालन, पार्किंग, सुरक्षा एवं आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की तथा सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बताते चले एयर शो में सेना के विभिन्न प्रकार के विमान एवं एयरक्राफ्ट द्वारा लगभग 90 मिनट तक हवाई करतब प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित हैं। गंगा नदी के दोनों तटों से इस भव्य आयोजन को देखने के लिए लगभग 30 लाख दर्शकों के पहुंचने की संभावना के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीड़ के दबाव वाले संभावित स्थानों को चिन्हित कर उनके अनुरूप पूर्व से विस्तृत भीड़ प्रबंधन प्लान तैयार किया जाए।

पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख घाटों एवं दर्शक स्थलों पर प्रवेश एवं निकास के पृथक मार्ग, बैरिकेडिंग, होल्डिंग एरिया, क्यू मैनेजमेंट एवं पैदल आवागमन के लिए निर्धारित मार्ग बनाए जाएं। भीड़ को एक स्थान पर एकत्रित होने से रोकने तथा आवश्यकता के अनुसार उसे नियंत्रित एवं डायवर्ट करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 14 पुलिसकर्मी सम्मानित

टी0आई0एल0 संवाददाता

अमेठी। महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुलिस लाइन में समारोह आयोजित किया गया। इसमें अच्छा काम करने वाले 14 पुलिसकर्मियों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक और उत्कृष्ट सेवा पदक देकर सम्मानित किया गया। एसपी सरवणन टी ने सभी को पदक प्रदान किए।

वर्ष 2025 के अति उत्कृष्ट सेवा पदक से निरीक्षक विनोद कुमार सिंह, निरीक्षक अवनीश कुमार चौहान, उपनिरीक्षक शेख नईम, उपनिरीक्षक अजय कुमार और मुख्य आरक्षी शेष बहादुर सिंह को सम्मानित किया गया। वर्ष 2026 के अति उत्कृष्ट सेवा पदक से निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार यादव और मुख्य आरक्षी लक्ष्मी नारायण यादव को सम्मान मिला।

वर्ष 2026 के उत्कृष्ट सेवा पदक से उपनिरीक्षक विवेक कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी प्रशान्त कुमार मिश्र, निर्भय सिंह, शशि कुमार, दिलीप कुमार सिंह, भारत भूषण सिंह और वीरेन्द्र कुमार मिश्रा सम्मानित हुए। एसपी ने सभी सम्मानित पुलिसकर्मियों को बधाई दी और इसी तरह ईमानदारी व जिम्मेदारी से काम करने के लिए कहा। पुलिस लाइन को साफ रखने में योगदान देने वाले कर्मियों को भी उपहार देकर सम्मानित किया गया।

सपा आठ तक मनाएगी लोकतंत्र बचाओ सप्ताह

टी0आई0एल0 संवाददाता

फतेहपुर। सपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें दो से आठ अक्तूबर तक जिले में लोकतंत्र बचाओ सप्ताह मनाने का निर्णय लिया गया। यह अभियान इंडिया गठबंधन की 30 सितंबर की नई दिल्ली बैठक के कार्यक्रम के तहत है।

जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में वोट बचाओ–देश बचाओ मार्च जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। पहले दिन जिला स्तर पर प्रेस वार्ता में मताधिकार की सुरक्षा और वोट संबंधी मुद्दों पर चर्चा होगी। दूसरे दिन विधानसभा स्तर पर बैठकें कर कार्यकर्ताओं को संगठित किया जाएगा और मार्च की रणनीति बनेगी।

तीसरे दिन डॉ. भीमराव आंबेडकर या महात्मा गांधी की प्रतिमा से डीएम कार्यालय तक वोट बचाओ–देश बचाओ मार्च निकलेगा।

मार्च के समापन पर राष्ट्रगान के बाद संविधान के अनुच्छेद 326 का पाठ होगा। पार्टी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले का दहन भी करेगी। बैठक में महासचिव चौधरी मंजरयार, बिपिन सिंह यादव, रौनक राज, संगीता राज पासवान समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

Call:0522-6537101, 9839919728
e-mail:info@tvindialive.com
tvindialive.til@gmail.com
web:www.tvindialive.in
www.tvindialive.com
www.tilexpress.in
TIL Express
WEEKLY HINDI NEWSPAPER
Contact for: News Bureau,
News Reporter & Marketing Agency
Off: Sector C-1, C-25, LDA Colony, Kanpur Road , Lucknow. 226012 (U.P.)

सम्पादकीय

रासुका के दुरुपयोग पर उठते सवाल

देश में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के दुरुपयोग पर सवाल उठते रहे हैं। उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के कई फैसले से जाहिर हो गया कि सरकारें किस तरह से इस कानून का इस्तेमाल करके राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि में लगी हुई हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के दुरुपयोग ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की फजीहत करा दी। संभल हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मुल्ला अफरोज की एनएसए के तहत हिरासत को रद्द कर दिया। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख का जुर्माना भी लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया है, जिसमें मुल्ला अफरोज के खिलाफ जारी डिटेंशन ऑर्डर को सही ठहराया गया था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागु की बेंच ने कहा कि प्रीवेंटिव डिटेंशन यानी एहतियाती हिरासत के लिए सिर्फ एक्स्ट्रा–जुडिशियल कंफेशन, अर्थात न्यायालय के बाहर किए गए कथित कबूलनामे को ही एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता है। कोर्ट ने गैर–कानूनी प्रिवेंटिव डिटेंशन ऑर्डर जारी करने के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए कहा कि हिरासत में लेने वाले अधिकारी को मामले से जुड़ी अन्य परिस्थितियों पर भी विचार करना चाहिए था। सुनवाई में अदालत ने पाया कि मुल्ला अफरोज के मामले में अधिकारियों ने अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है। संभल में नवंबर 2024 में शाही जामा मस्जिद में कोर्ट के आदेश पर हुए सर्वे के दौरान हिंसा के आरोप में मुल्ला अफरोज को गिरफ्तार किया गया था।

बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उसे जमानत दे दी थी। इसके बाद 13 अक्टूबर 2025 को मुल्ला अफरोज के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत डिटेंशन ऑर्डर जारी किया गया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला योगी सरकार और भाजपा के लिए दोहरा झटका है। पहला तो एनएसए का दुरुपयोग और दूसरा अल्पसंख्यकों के प्रति नजरिया। अल्पसंख्यकों के मामले में सख्ती के भाजपा सरकारों पर पहले भी आरोप लगते रहे हैं। इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नोएडा में गत अप्रैल में हुए मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रा आकृति चौधरी को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में रखने पर गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी अर्थात डीएम रूपम पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। यह राशि उनकी सैलरी से काटकर छात्रा को देने का निर्देश दिया गया था। रूपम ने हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। भाजपा की राज्यों सरकारों द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का दुरुपयोग करने के मामलों की लंबी फेहरिस्त है।

भाजपा सरकारों को आलोचना पसंद नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम अर्थात रासुका (1980) का मुख्य उद्देश्य देश की सुरक्षा और लोक व्यवस्था को बनाए रखना है। हालांकि विपक्ष, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कानूनी विश्लेषकों द्वारा केंद्र और विभिन्न राज्यों की भाजपा सरकारों पर राजनीतिक विरोधियों, आलोचकों और प्रदर्शनकारियों की आवाज दबाने के लिए इस कानून का दुरुपयोग करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। पिछले साल सितंबर में लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत राजस्थान की जोधपुर जेल में डाल दिया गया। सरकार ने कहा कि हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। देश भर में हुई मोदी सरकार की तीखी आलोचना के बाद केंद्र सरकार ने मजबूर होकर वांगचुक से एनएसए हटा लिया और उन्हें रिहा किया गया। यह वही सोनम वांगचुक हैं जिन्होंने नीट पेपर लीक प्रकरण में मोदी सरकार की सत्ता की नींव को हिला कर दिया था।

वांगचुक ने नीट परीक्षा में अनियमितताओं और शिक्षा मंत्री के खिलाफ जंतर–मंतर पर 28 जून 2026 से भूख हड़ताल शुरू की थी। तबीयत बिगडने और 26 दिनों तक चले अनशन के बाद, केंद्रीय मंत्रियों (जेपी नड्डा और डा. जितेंद्र सिंह) के लिखित आश्वासन और सांसदों की अपील पर उन्होंने 24 जुलाई 2026 को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अपना अनशन समाप्त किया। विडंबना यह है कि जिस वांगचुक पर एनएसए लगाया गया, उन्हीं का अनशन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे का एक बड़ा कारण बना। इसी तरह मणिपुर में पुलिस ने पत्रकार किशोरचंद्र वांगखेम और राजनीतिक कार्यकर्ता एरेंड्रो लीचेम्बम पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनों पर आरोप था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मणिपुर के दिवंगत भाजपा अध्यक्ष एस तिकेंद्र सिंह की खिल्ली उड़ाई। 40 वर्षीय दोनों आरोपियों ने फेसबुक पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए अलग–अलग पोस्ट कर लिखा था कि गाय का गोबर या गोमूत्र कोविड–19 से बचाव नहीं करते हैं।

अशोक सिंघल की प्रासंगिकता

अशोक त्रिपाठी

विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक जागरण और सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित कर दिया था। अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी का आयोजन 27 सितंबर 2026 से शुरू हुआ है। उनका जन्म 27 सितंबर 1926 को आगरा में हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने लेख में उनसे जुड़ी कई पुरानी यादों को साझा किया और बताया कि एक युवा कार्यकर्ता के रूप में वर्ष 1981 में उनकी पहली महत्वपूर्ण मुलाकातों में से एक का अनुभव रहा था। उस समय उन्हें अशोक सिंघल का हाथ से लिखा हुआ पत्र मिला था, जिसमें उन्होंने एक आगामी कार्यक्रम और उससे जुड़े कुछ संगठनात्मक कार्यों की जिम्मेदारी दी थी।

प्रधानमंत्री के अनुसार, उस पत्र ने उनके लिए एक विशेष महत्व रखा, क्योंकि उस समय वह संगठन में शुरुआती जिम्मेदारियां निभा रहे थे। उन्होंने लिखा कि कई दशकों तक उन्होंने अशोक सिंघल को लगातार काम करते हुए देखा। वह कठिन यात्राएं करते थे और देश के दूर–दराज के इलाकों तक पहुंचने में संकोच नहीं करते थे। विशेष रूप से गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में उनकी यात्राओं और वहां के लोगों के बीच काम करने की उनकी इच्छा का प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया।

नरेंद्र मोदी ने अपने लेख में कहा कि अशोक सिंघल का जीवन दूसरों के कल्याण की भावना से प्रेरित था। इसी सोच ने उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर आकर्षित किया। उन्होंने संगठन में मिलने वाली प्रत्येक जिम्मेदारी को अनुशासन, उत्साह और कर्तव्यबोध के साथ निभाया। प्रधानमंत्री ने उन्हें एक प्रभावशाली वक्ता और कुशल संगठनकर्ता के रूप में याद किया, जिनकी आवाज और भाषण शैली बड़ी सभाओं को प्रभावित करने की क्षमता रखती थी।

मोदी ने यह भी लिखा कि अशोक सिंघल केवल संगठन के विस्तार पर ध्यान नहीं देते थे, बल्कि कार्यकर्ताओं के व्यक्तिगत जीवन और उनकी समस्याओं के प्रति भी संवेदनशील रहते थे। उनके संपर्क में आने वाले लोग उनकी सादगी और आत्मीय व्यवहार से प्रभावित होते थे। संत समाज के साथ भी उनका गहरा संबंध था और देश के विभिन्न हिस्सों के संतों तथा धार्मिक नेताओं के बीच उन्हें सम्मान प्राप्त था। प्रधानमंत्री ने दो अंतरराष्ट्रीय आयोजनों का उल्लेख करते हुए उनकी संगठनात्मक क्षमता को याद किया। पहला आयोजन वर्ष 1993 में अमेरिका में हुआ था, जब विश्व हिंदू परिषद ने शिकागो में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण के सौ वर्ष पूरे होने पर एक सम्मेलन आयोजित किया था। मोदी के अनुसार, विदेश में इतने बड़े आयोजन की योजना बनाना और विभिन्न लोगों तथा संस्थाओं को एक साथ जोड़ना अशोक सिंघल की संगठनात्मक क्षमता का उदाहरण था।

दूसरा आयोजन वर्ष 2000 में त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में आयोजित विश्व हिंदू सम्मेलन था। प्रधानमंत्री ने लिखा कि वहां अशोक सिंघल की मौजूदगी ने प्रतिनिधियों में विशेष उत्साह पैदा किया था। अपने संबोधन के बाद उनसे मिली प्रशंसा और प्रोत्साहन को भी उन्होंने एक व्यक्तिगत स्मृति के रूप में साझा किया।

अशोक सिंघल के जीवन और सार्वजनिक भूमिका की चर्चा राम जन्मभूमि आंदोलन के बिना पूरी नहीं होती। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लेख में इस आंदोलन में उनके योगदान को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने वर्ष 1991 में दिल्ली के बोट क्लब में आयोजित रैली में सिंघल के भाषण और आंदोलन के दौरान घायल अवस्था में उनकी तस्वीर का उल्लेख किया।

मोदी के अनुसार, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण उन लोगों के लंबे प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने इस अभियान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल यदि आज अयोध्या में राम मंदिर को बनते हुए देखते तो उन्हें

अत्यंत प्रसन्नता होती।

अशोक सिंघल विश्व हिंदू परिषद के प्रमुख नेताओं में शामिल थे और राम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका संगठनात्मक तथा सार्वजनिक लामबंदी के स्तर पर महत्वपूर्ण रही। इस आंदोलन ने भारतीय राजनीति और सामाजिक विमर्श पर लंबे समय तक प्रभाव डाला। प्रधानमंत्री ने अपने लेख में उन्हें उन प्रमुख व्यक्तित्वों में शामिल किया, जिन्होंने इस आंदोलन को दिशा देने में योगदान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अशोक सिंघल के जीवन के एक अन्य पहलू का उल्लेख करते हुए कहा कि वह सामाजिक एकता और समानता में विश्वास रखते थे। उनके अनुसार, सिंघल का मानना था कि समाज में किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान मिलना चाहिए।मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण घटना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि अशोक सिंघल की इच्छा थी कि मंदिर की पहली ईंट बिहार के एक दलित समुदाय से आने वाले विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता कामेश्वर चौपाल द्वारा रखी जाए। प्रधानमंत्री ने इसे सामाजिक समरसता के प्रति उनकी सोच का उदाहरण बताया। उन्होंने काशी में आयोजित धर्म संसद का भी उल्लेख किया, जहां अशोक सिंघल ने डोम राजा को सम्मानित करने का निर्णय लिया था। प्रधानमंत्री के मुताबिक, सिंघल ने सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए विभिन्न समुदायों के लोगों के साथ मिलकर काम किया।

गठबंधन धर्म निभाएंगे, 2027 में सरकार बनाएंगे : आराधना मिश्रा

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि कांग्रेस अपने सभी गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर पूरी ताकत से विधानसभा चुनाव लड़ेगी और वर्ष 2027 में प्रदेश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाएगी।

मोना ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका का आभार जताते हुए कहा कि वह नई जिम्मेदारी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगी।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन केवल उत्तर प्रदेश में नहीं, बल्कि देश भर में बना है। पिछले लोकसभा चुनाव में हमने गठबंधन धर्म निभाया और आगे भी पूरी तरह से निभाएंगे।

सपा के पीडीए की तर्ज पर कांग्रेस के संगठन में भी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के प्रतिनिधित्व को लेकर मोना ने कहा कि कांग्रेस एक टीम है। पूरी टीम मिलकर उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के लिए काम करेगी।

सीएम योगी का बड़ा ऐलान, अगले महीने 50 हजार बेटियों को मिलेंगे मुफ्त स्कूटर

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी की सरकार का नाम लिए बगैर उस पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2016 में तत्कालीन सरकार ने छात्रवृत्ति और फीस प्रतिपूर्ति तक रोक दी थी। भाजपा सरकार बनने के बाद यह व्यवस्था फिर शुरू हुई और बकाया छात्रवृत्ति विद्यार्थियों तक पहुंचाई गई।

उन्होंने कहा कि पहले बाबूगीरी से भी छात्रवृत्ति में सेंध लगती थी, अब पूरी राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर) के जरिये विद्यार्थियों के खातों में पहुंच रही है। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि अगले महीने 50 हजार बेटियों को स्कूटर दिए जाएंगे। गौरतलब है कि योगी सरकार ने भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादे के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025–26 में स्नातक उत्तीर्ण करने वाली शीर्ष

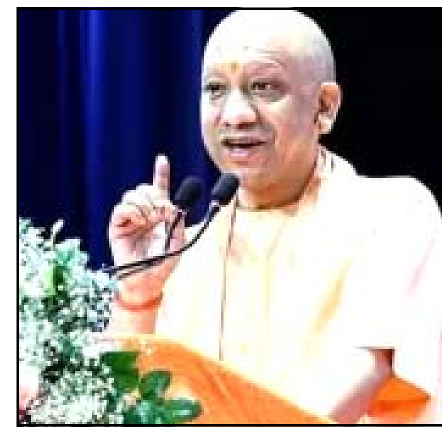

50 हजार छात्राओं को रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत मुफ्त में पेट्रोल चालित स्कूटर देने का निर्णय किया है।

लोक भवन में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने एक क्लिक से 4,60,559 विद्यार्थियों के खातों में 148.04 करोड़ रुपये भेजे और 11 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिए। इनमें पिछड़ा वर्ग के 2,23,615, अनुसूचित जाति के 1,59,959, सामान्य वर्ग के 38,084 और अल्पसंख्यक वर्ग के 38,901 विद्यार्थी शामिल हैं। योजना में कक्षा नौ–10 और दशमोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 70 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का लक्ष्य है। तकनीकी त्रुटि के कारण छात्रवृत्ति से वंचित करीब चार लाख विद्यार्थियों को भी लाभ दिया जा रहा है। आवेदन से भुगतान तक प्रक्रिया आनलाइन है और अब बिचौलियों की भूमिका खत्म हो गई है। आर्थिक अभाव से किसी विद्यार्थी की पढ़ाई नहीं रुकेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि छात्रवृत्ति की राशि गुटका और चाट पर खर्च न करें बल्कि इससे किताबें खरीदकर बुक बैंक बनाएं।

Lucknow's the most popular social networking news,views & entertainment blog

www.facebook.com/tillucknowexpress

By:TVINDIALIVE.COM

भारी बारिश से क्षतिग्रस्त बिजली के खंभे और तारों की तत्काल हो मरम्मत : योगी

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारी बारिश के कारण उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में प्रभावित हुई बिजली और सड़क व्यवस्था को जल्द सामान्य करने के लिए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बारिश से क्षतिग्रस्त बिजली के खंभों और तारों को जल्द दुरुस्त कराने के साथ प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति शीघ्र बहाल करने पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के कारण लोगों को लंबे समय तक बिजली संकट का सामना न करना पड़े और मरम्मत कार्य में तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त विद्युत ढांचे की स्थिति का आकलन करने और आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य तत्काल कराने के निर्देश दिए। साथ ही बिजली के खंभों, तारों और अन्य उपकरणों को दुरुस्त कर आपूर्ति व्यवस्था को जल्द सामान्य करने को कहा गया है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर टीमों को सक्रिय रखते हुए शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने भारी बारिश से खराब हुई सड़कों की भी तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं। जलभराव और बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों को चिह्नित कर आवश्यक मरम्मत कार्य जल्द पूरा कराने को कहा है, ताकि लोगों के आवागमन में किसी तरह की बाधा न हो।

स्वच्छता को नियमित कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाएं : आनंदीबेन पटेल

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जनभवन में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। वहीं जनभवन आदर्श माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम, वैष्णव जन तो तेने कहिए आदि का सामूहिक गायन किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि दोनों महापुरुषों का जीवन हमें सत्य, सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। हमें अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का निरंतर प्रयास करना चाहिए।

अपने कार्यों को निर्धारित मूल्यों के अनुरूप करने का संकल्प लेना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी अभियान तक सीमित न रहकर हमारी नियमित कार्यसंस्कृति का हिस्सा बननी चाहिए। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने–अपने कार्यस्थल को स्वच्छ रखना सुनिश्चित करें। अनावश्यक रूप से फाइलें लंबित न रहें तथा कार्यालयों से निकलने वाले अपशिष्ट का भी तत्काल उचित निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी डॉ. सुधीर महादेव बोबडे ने सभी अधिकारियों–कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इसी क्रम में सुबह गांधी जयंती पर जनभवन से प्रभात फेरी निकाली गई। वहीं राज्यपाल विशेष सचिव श्रीप्रकाश गुप्ता द्वारा लिखे अक्षय दीप स्मृति ग्रंथ का विमोचन भी किया।

समाजवादी पार्टी ने शिक्षक एमएलसी चुनाव में बदली रणनीति

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधान परिषद के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव से ठीक पहले समाजवादी पार्टी ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए दो घोषित प्रत्याशियों के टिकट काटकर भाजपा खेमे से अलग हुए प्रभावशाली चेहरों पर दांव लगाया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से पहले घोषित प्रत्याशी डॉ. प्रकाशचंद्र गुप्ता के स्थान पर मौजूदा निर्दलीय एमएलसी डॉ. आकाश अग्रवाल और गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से कमलेश यादव

की जगह डॉ. संजयन त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाने की घोषणा की। चुनाव से ठीक पहले दोनों बदलाव को लेकर समाजवादी पार्टी में भी खलबली मची है। सपा ने 28 सितंबर को जिन 11 प्रत्याशियों की अधिकृत घोषणा की थी, उसमें आगरा शिक्षक सीट से प्रकाशचंद्र गुप्ता और गोरखपुर–फैजाबाद से कमलेश यादव का नाम था। अब दोनों सीटों पर चेहरा बदल दिया गया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व घोषित दोनों प्रत्याशियों की सहमति से यह बदलाव किया गया है और पार्टी उनके त्याग की आभारी है। आगरा में आकाश अग्रवाल पहले भाजपा से टिकट के दावेदार थे। भाजपा ने यहां से इंजीनियर हरिकिशोर तिवारी को प्रत्याशी बनाया है। आकाश अग्रवाल वर्तमान में इसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय एमएलसी हैं। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने पर उन्होंने भी पर्चा खरीदा था। ऐसे में सपा का उन्हें सीधे अपने प्रत्याशी के रूप में उतारना मुकाबले को बहुकोणीय बनाने के बजाय अपने पक्ष में स्थापित चेहरे को पार्टी के साथ जोड़ने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।वहीं गोरखपुर–फैजाबाद सीट पर भी कहानी कुछ ऐसी ही है। भाजपा ने ध्रुव कुमार त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाया। टिकट के दावेदार डॉ. संजयन त्रिपाठी ने इसके बाद भाजपा से बगावत का रुख अपनाया और पार्टी का झंडा अपनी गाड़ी से उतारकर निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की थी।

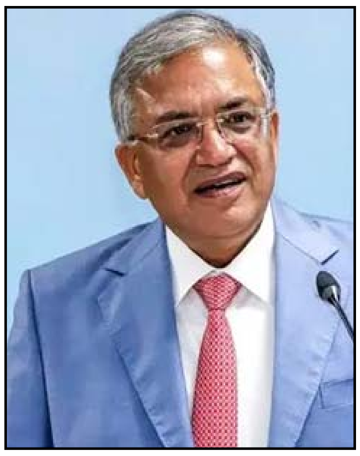

सवालों के घेरे में ज्ञानेश कुमार

रमेश सर्राफ

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और 80 वर्ष की प्रौढ़ता के बाद अगर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं तो यह सामान्य बात नहीं है। टीएन शेषन जैसे मुख्य चुनाव आयुक्त की कुर्सी पर बैठे ज्ञानेश कुमार को इसका जवाब कुछ इस तरह से देना होगा कि देश की 140 करोड़ जनता संतुष्ट हो सके। अभी यह कहना सही नहीं होगा कि तमाम लोग निर्वाचन आयोग की बैठक के बाद आए बयान से संतुष्ट हैं और सिर्फ विपक्षी दल के लोग ही ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा मांग रहे हैं। इस प्रश्न के साथ निर्वाचन आयोग के दो सहायक आयुक्तों के विरोध और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस चोकलिंगम के निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र को भी जोड़ना पड़ेगा। चोकलिंगम ने निर्वाचन आयोग से ईसीआई नेट साफ्टवेयर में बदलाव करने का अनुरोध किया है। चोकलिंगम चाहते हैं कि मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) मतदाता सूची में गड़बड़ियों से जुड़े मामले में अपने विवेक का इस्तेमाल कर सकें। दूसरे शब्दों में कहें तो महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी एस चोकलिंगम चाहते हैं कि ईआरओ को ज्यादा अधिकार दिये जाएं तो मतदाताओं के साथ न्याय हो सकेगा। अभी मुख्य निर्वाचन आयुक्त के फैसले के आधार पर ही ईआरओ कार्य कर रहे हैं और मतदाताओं के बारे में जानते हुए भी उनके हाथ बंधे रहते हैं। यही आपत्ति मुख्य निर्वाचन आयोग के दो सहायक आयुक्तों– डा. सुखवीर सिंह संधू और डा. विवेक जोशी ने भी उठाई थी। हाल में जो विवाद खड़ा हुआ है उनके मूल में एक बिन्दु यह भी है कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने कथित तौर पर ईआरओ के अधिकारों में कटौती पर अपनी असहमति जतायी थी लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनकी आपत्ति को अनसुना कर दिया था। चुनाव आयोग ने बैठक करके जो सफाई दी उसमें एक महत्वपूर्ण सवाल भी छिपा है। गत 26 सितम्बर को चुनाव आयोग ने जिन नौ कदमों की घोषणा की है, उनमें एक यह भी है कि अब हर बैठक का एजेण्डा पहले ही सदस्यों को दे दिया जाएगा। सवाल है कि क्या अब तक बिना एजेंडा दिये ही बैठकें होती थीं? इसलिए चोकलिंगम की चिंता बेवजह नहीं है और ज्ञानेश कुमार जी इसे प्रतिष्ठा का सवाल न बनाएं। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख का मामला है। संतोष की बात है कि चुनाव आयाग ने फार्म–6 से एसआईआर से जुड़ी घोषणा हटा दी है। दादा–दादी का सत्यापन अब जरूरी नहीं होगा।

महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस चोकलिंगम ने निर्वाचन आयोग से ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर में बदलाव करने का अनुरोध किया है, ताकि मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) मतदाता सूची में गड़बड़ियों से जुड़े मामलों में अपने विवेक का इस्तेमाल कर सकें। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी चोकलिंगम ने निर्वाचन आयोग को 24 सितंबर को भेजे पत्र में यह अनुरोध किया। एक अधिकारी के मुताबिक, सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अक्सर आयोग को अपने सुझाव भेजते रहते हैं और इसमें कोई नयी बात नहीं है। उन्होंने कहा, सॉफ्टवेयर हमेशा केंद्रीकृत होता है और वहीं से नोटिस भेजे जाते हैं। हमने अनुरोध किया था कि ईआरओ को किसी भी गड़बड़ी से जुड़े नोटिस पर फैसला लेने की शक्ति दी जाए। निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा 30 सितंबर से बढ़ाकर 12 अक्टूबर कर दी है। राज्य में 2.07 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्र या तो जमा नहीं हो पाए या फिर उन्हें अनुपस्थित, मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टि के तौर पर दर्ज किया गया। अधिकारी के मुताबिक, चोकलिंगम की ओर से भेजे गए पत्र में मतदाताओं के माता–पिता के नाम या उम्र संबंधी जानकारी का मिलान न होने जैसी तार्किक विसंगतियों का जिक्र किया गया है और कहा गया है कि जब ईआरओ जमा किए गए दस्तावेजों से संतुष्ट हों, तो उन्हें मतदाताओं को सुनवाई से छूट देने का अधिकार प्रदान किया जाए। इस बीच, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने ईसीआईनेट प्रणाली के जरिये मतदाता की पात्रता तय करने की ईआरओ की कानूनी शक्तियों को कमजोर किए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने कहा, अगर कोई गड़बड़ी या विसंगति है, तो कौन मतदाता है और कौन नहीं, यह तय करने का कानूनी अधिकार ईआरओ के पास है। उन्होंने आरोप लगाया कि महानिदेशक (आईटी) सीमा खन्ना और वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग समेत कई अधिकारियों की संलिप्तता से ईसीआईनेट प्रणाली के जरिये ये अधिकार वापस लिये जा रहे हैं। ईसीआईनेट निर्वाचन आयोग का एक एकीकृत डिजिटल मंच है, जिसका मकसद चुनाव प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और पारदर्शिता एवं सुलभता बढ़ाना है। 26 सितंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में भारत निर्वाचन आयोग की बैठक हुई थी। इस बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी उपस्थित रहे। यह बैठक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और फॉर्म–6 से जुड़े हालिया विवादों और चर्चाओं के बीच हुई थी। एसआईआर पूरा हो चुके राज्यों में नए मतदाताओं के लिए फॉर्म–6 से अतिरिक्त एसआईआर घोषणा को हटा दिया गया है, जिससे नए मतदाताओं को अब अलग से पूर्वजों या माता–पिता की जानकारी नहीं देनी होगी। आयोग ने कामकाज में पारदर्शिता के लिए नए नियम तय किए जिसके तहत बैठकों से पहले एजेंडा साझा किया जाएगा और फैसलों का रिकॉर्ड रखा जाएगा। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान, जिन लोगों को जानकारी प्राप्त न होने और तार्किक विसंगतियों के कारण नोटिस जारी किया गया है, उन मामलों में बीएलओ दस्तावेज इकट्ठा करने के लिए उनके घर जाएंगे और उसके बाद ईआरओ द्वारा निर्णय लेने के लिए उन्हें ईसीआईनेट पर अपलोड करेंगे। ऐसे लोगों को सुनवाई के लिए ईआरओ कार्यालय नहीं बुलाया जाएगा। केवल असाधारण परिस्थितियों में, जैसा ईआरओ द्वारा तय किया जाएगा, प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन सुनवाई होगी। यदि आवश्यक हो, तो मतदाता, परिवार के किसी भी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से सुनवाई में शामिल होने के लिए अधिकृत कर सकता है। ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। क्षेत्र अधिकारियों को उनकी वैधानिक शक्तियों के अनुसार ईसीआईनेट प्रणाली तक भूमिका–आधारित पहुंच प्राप्त है। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त (डीईसी) की अध्यक्षता में एक समिति, जिसमें आईआईटी का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ भी शामिल होगा, ईसीआईनेट की समीक्षा करेगी तथा जांच करेगी कि यह प्रणाली अधिनियमों और नियमों के प्रावधानों का अनुपालन करती है, अथवा नहीं और आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस प्रकार चुनाव आयोग जनता का विश्वास अर्जित करने का प्रयास कर रहा है।

त्योहार पर पटाखों को लेकर संतुलन

श्रीमती कमलेश कुमारी

दीपावली से पहले पटाखों के इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह न तो पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है और न ही उनके चौबीसों घंटे बेरोकटोक इस्तेमाल की अनुमति देगा। अदालत ने कहा कि पटाखों से जुड़ी धार्मिक और सामाजिक भावनाओं के साथ–साथ वायु प्रदूषण के कारण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को भी ध्यान में रखना होगा। इसलिए ऐसा रास्ता तलाशने की जरूरत है जिसमें पटाखे फोड़ने के लिए समय तय हो और यह भी निर्धारित किया जाए कि किस तरह के पटाखों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

30 सितंबर को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ लंबे समय से लंबित 'अर्जुन गोपाल बनाम भारत संघ' मामले की सुनवाई कर रही थी। यह मामला पटाखों से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण तथा उससे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जुड़ा है। इसमें तीन शिशुओं की ओर से याचिका दाखिल कर पटाखों के इस्तेमाल पर नियंत्रण लगाने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस एमएम सुंदरेश ने कहा कि अदालत पूर्ण प्रतिबंध से सहमत नहीं होगी, क्योंकि इससे लोगों की भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। वहीं, पूरे दिन पटाखे फोड़ने की अनुमति देने से बुजुर्गों, बीमार लोगों, बच्चों और अन्य जीवों पर गंभीर असर पड़ सकता है। अदालत के मुताबिक, समाधान ऐसा होना चाहिए जिसमें इस्तेमाल का समय और पटाखों की श्रेणी दोनों निर्धारित हों।

इस सुनवाई में केंद्र सरकार की ओर से पटाखों की कुछ श्रेणियों पर मौजूदा प्रतिबंधों में सीमित ढील देने का प्रस्ताव रखा गया। इसमें नई पीढ़ी के संयुक्त पटाखों यानी जुड़ी हुई लड़ियों के निर्माण और इस्तेमाल की अनुमति देने की बात शामिल थी। अदालत ने सरकार की सिफारिश को कुछ शर्तों के साथ स्वीकार किया। हालांकि, दिल्ली–एनसीआर में इस साल दीपावली के दौरान पटाखों से जुड़े नियमों पर अलग से विचार करने का फैसला फिलहाल टाल दिया गया है।

संयुक्त पटाखे या लड़ियां ऐसे पटाखे होते हैं जिनमें कई छोटे पटाखे एक साथ जुड़े रहते हैं और एक के बाद एक फूटते हैं। वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और ठोस कचरे से जुड़ी चिंताओं के कारण सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इनके निर्माण, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाई थी। अब केंद्र सरकार ने विशेषज्ञ संस्थानों से परामर्श के बाद कुछ निर्धारित मानकों के तहत इन पटाखों को फिर अनुमति देने का सुझाव दिया है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने संबंधित पक्षों और तकनीकी विशेषज्ञों से विचार–विमर्श किया है। इस प्रक्रिया में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान यानी सीएसआईआर–नीरी की सिफारिशें भी ली गई हैं। सरकार के प्रस्ताव के अनुसार, संयुक्त पटाखों में इस्तेमाल होने वाले गोलों के आकार और उनकी संख्या पर सीमा रखी जाएगी। इसके अलावा, एक के बाद एक पटाखे फूटने के बीच निश्चित समय का अंतर भी निर्धारित किया जाएगा। अदालत ने इन शर्तों के साथ नई पीढ़ी के संयुक्त पटाखों की अनुमति देने की सिफारिश स्वीकार की। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि हर तरह की पटाखा लड़ियों को बिना किसी शर्त के बनाया या बेचा जा सकेगा।

इससे पहले 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि क्या कुछ विशेष प्रकार के पटाखों पर मौजूदा प्रतिबंधों में सीमित ढील दी जा सकती है। उस समय अदालत ने निर्धारित ध्वनि मानकों का पालन करने की शर्त पर विचार करने को कहा था। पटाखा निर्माताओं की ओर से पेश वकील प्रणव सचदेवा ने सुनवाई में कहा कि नए मानक अदालत के निर्देशों के बाद किए गए शोध पर आधारित हैं और उनसे सूक्ष्म कणों के उत्सर्जन को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील पूजा धर ने सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले भी पटाखों के इस्तेमाल के लिए समय–सीमा तय की गई थी, लेकिन उसका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

उन्होंने यह भी दलील दी कि प्रदूषण की समस्या केवल दीपावली के दिन तक सीमित नहीं रहती। दशहरा और दुर्गा पूजा के आसपास भी पटाखों का इस्तेमाल शुरू हो जाता है। ऐसे में केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं होगा, उनके पालन की व्यवस्था भी जरूरी है।

सुनवाई के दौरान पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल का मुद्दा भी उठा। केंद्र सरकार ने नई पीढ़ी के ग्रीन पटाखों में बेरियम की मौजूदगी के पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। सरकार के अनुसार, सीएसआईआर–नीरी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने चार शहरों– दिल्ली, भोपाल, कोलकाता और चेन्नई– में खुले वातावरण में परीक्षण करने की सिफारिश की है।

यूक्रेन में रूस के ड्रोन हमले से भारतीय फार्मा प्लांट तबाह

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के सुमी शहर में भारत के कुसुम ग्रुप से जुड़े एक बड़े फार्मा प्लांट पर रूसी ड्रोन से हमला किया गया है। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के घायल होने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार, हमले में प्लांट की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है और उसका बड़ा हिस्सा लगभग पूरी तरह नष्ट हो गया है। ड्रोन हमले के बाद सामने आए वीडियो और तस्वीरों में प्लांट के आसपास से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। हमले के कारण फार्मा प्लांट की मुख्य संरचना को काफी नुकसान पहुंचा है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, नुकसान कम से कम 400 करोड़ रुपए का हो सकता है। यह फैक्टरी रूस की सीमा से करीब 23 किलोमीटर दूर है।

कुसुम ग्रुप के इस प्लांट को रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान भी लगातार संचालित किया जाता रहा था। कुसुम ग्रुप 1994 में शुरू हुआ था। यह भारतीय दवाइयों को यूक्रेन में एक्सपोर्ट करने वाला एक डिस्ट्रीब्यूटर था। इसे फिलहाल भारतीय नागरिक राजीव गुप्ता चला रहे हैं। कुसुम ग्रुप ने साल 2002 में, दूसरी कंपनियों के प्रोडक्ट्स को डिस्ट्रीब्यूट करना बंद कर दिया। इसके बाद उसने अपने खुद के ब्रांड्स की मार्केटिंग शुरू कर दी। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में रूस के हमले की निंदा की। साथ ही उन्होंने मारे गए व्यक्ति के परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का लक्ष्य : बांसुरी स्वराज

देहरादून, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सह प्रभारी एवं सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश का मतदाता राष्ट्रवादी सोच वाली भाजपा पर भरोसा जताएगा।

बांसुरी स्वराज भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट की अध्यक्षता में हुई प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों की संगठनात्मक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। बैठक में नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम माधव, सह प्रभारी अरविंद मेनन और प्रदेश महामंत्री संगठन फणींद्रनाथ शर्मा भी मौजूद रहे।

बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, चुनावी तैयारियों और आगामी रणनीति सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद पार्टी की सह प्रभारी एवं सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि भाजपा उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी।

उन्होंने कहा कि चुनाव में किसी पार्टी को मिलने वाली सीटों में बढ़ोतरी या कमी किसी व्यक्ति विशेष के कारण नहीं होती, बल्कि यह मतदाताओं के निर्णय पर निर्भर करती है। उत्तराखंड को वीरभूमि और देवभूमि बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में लोग सेना से जुड़े हैं और राष्ट्रवादी सोच के प्रति लोगों का जुड़ाव है।

बांसुरी स्वराज ने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे का उदाहरण देते हुए कहा कि करीब 12 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय कम हुआ है।

यात्रा का समय लगभग छह घंटे से घटकर ढाई घंटे हो गया है। उन्होंने कहा कि परियोजना में करीब 12 किलोमीटर लंबा वन्यजीव कॉरिडोर भी बनाया गया है। इससे विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है।

हरित क्रांति के जनक लाल बहादुर शास्त्री

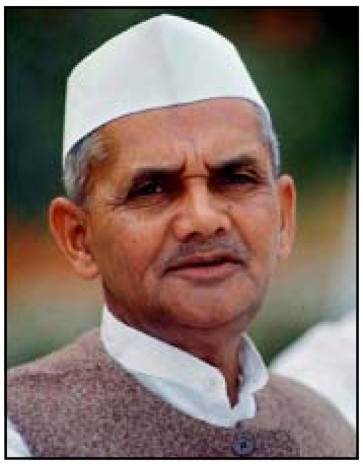

अशोक त्रिपाठी

पूर्व प्रधानमंत्री पंडित लाल बहादुर शास्त्री ने दो बातों पर सबसे ज्यादा जोर दिया था। पहली बात थी देश की सीमाओं की रक्षा क्योंकि चीन और पाकिस्तान के हमले हो चुके थे। दूसरा था अन्न का संकट तब प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने नारा दिया था– जय जवान, जय किसान। शास्त्री जी ने देशवासियों से अपील की थी कि वे सप्ताह में एक दिन का उपवास करें ताकि विदेश से अनाज न मंगाना पड़े।

धार्मिक आस्था में तो कई लोग उपवास करते हैं लेकिन 70 के दशक में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर लाखों लोग एक दिन का उपवास करने लगे थे। देश का स्वाभिमान जगा और उसी के बाद अमेरिका से खैरात का गेहूं आना बंद हो गया था। उनके जन्मदिन 2 अक्टूबर पर समस्त देश उन्हें नमन करता है।

लालबहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 मुगलसराय में हुआ। जिसको योगी आदित्यनाथ की सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम दिया है। वह भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। वह 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966 को अपनी मृत्यु तक लगभग अठारह महीने भारत के प्रधानमंत्री रहे। भारत की स्वतन्त्रता के पश्चात शास्त्रीजी को उत्तर प्रदेश के संसदीय सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। गोविंद बल्लभ पंत के मन्त्रिमण्डल में उन्हें पुलिस एवं परिवहन मन्त्रालय सौंपा गया। परिवहन मन्त्री के कार्यकाल में उन्होंने प्रथम बार महिला संवाहकों (कण्डक्टर्स) की नियुक्ति की थी। पुलिस मन्त्री होने के बाद उन्होंने भीड़ को नियन्त्रण में रखने के लिये लाठी की जगह पानी की बौछार का प्रयोग प्रारम्भ कराया।

जवाहरलाल नेहरू का उनके प्रधानमन्त्री के कार्यकाल के दौरान 27 मई, 1964 को देहावसान हो जाने के बाद साफ सुथरी छवि के कारण शास्त्रीजी को 1964 में देश का प्रधानमंत्री बनाया गया। उन्होंने 9 जून 1964 को भारत के प्रधानमंत्री का पद भार ग्रहण किया।

उनके शासनकाल में 1965 का भारत पाक युद्ध शुरू हो गया। इससे तीन वर्ष पूर्व चीन का युद्ध भारत हार चुका था। शास्त्रीजी ने अप्रत्याशित रूप से हुए इस युद्ध में नेहरू के मुकाबले राष्ट्र को उत्तम नेतृत्व प्रदान किया और पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। इसकी कल्पना पाकिस्तान ने कभी सपने में भी नहीं की थी। ताशकन्द में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयूब खान के साथ युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद 11 जनवरी 1966 की रात में ही रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी।

निष्पक्ष रूप से यदि देखा जाये तो शास्त्रीजी का शासन काल बेहद कठिन रहा। पूँजीपति देश पर हावी होना चाहते थे और दुश्मन देश हम पर आक्रमण करने की फिराक में थे। 1965 में अचानक पाकिस्तान ने भारत पर हवाई हमला कर दिया। परम्परानुसार राष्ट्रपति ने आपात बैठक बुला ली जिसमें तीनों रक्षा अंगों के प्रमुख व मन्त्रिमण्डल के सदस्य शामिल थे। संयोग से प्रधानमंत्री उस बैठक में कुछ देर से पहुँचे। उनके आते ही विचार–विमर्श प्रारम्भ हुआ। तीनों प्रमुखों ने उनसे सारी वस्तुस्थिति समझाते हुए पूछा, सर! क्या हुक्म है? शास्त्रीजी ने एक वाक्य में तत्काल उत्तर दिया। आप देश की रक्षा कीजिये और मुझे बताइये कि हमें क्या करना है?

भारत पाक युद्ध के दौरान 6 सितम्बर को भारत की 15वीं पैदल सैन्य इकाई ने द्वितीय विश्व युद्ध के अनुभवी मेजर जनरल प्रसाद के नेतृत्व में इच्छोगिल नहर के पश्चिमी किनारे पर पाकिस्तान के बहुत बड़े हमले का डटकर मुकाबला किया। इच्छोगिल नहर भारत और पाकिस्तान की वास्तविक सीमा थी। इस हमले में खुद मेजर जनरल प्रसाद के काफिले पर भी भीषण हमला हुआ और उन्हें अपना वाहन छोड़ कर पीछे हटना पड़ा। भारतीय थलसेना ने दूनी शक्ति से प्रत्याक्रमण करके बरकी गाँव के समीप नहर को पार करने में सफलता अर्जित की। इससे भारतीय सेना लाहौर के हवाई अड्डे पर हमला करने की सीमा के भीतर पहुँच गयी। इस अप्रत्याशित आक्रमण से घबराकर अमेरिका ने अपने नागरिकों को लाहौर से निकालने के लिये कुछ समय के लिये युद्धविराम की अपील की।

आखिरकार रूस और अमेरिका की मिलीभगत से शास्त्रीजी पर जोर डाला गया। उन्हें एक सोची समझी साजिश के तहत रूस बुलवाया गया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। हमेशा उनके साथ जाने वाली उनकी पत्नी ललिता शास्त्री को बहला फुसलाकर इस बात के लिए मनाया गया कि वे शास्त्रीजी के साथ रूस की राजधानी ताशकन्द न जायें और वे भी मान गयीं। अपनी इस भूल का श्रीमती ललिता शास्त्री को मृत्युपर्यन्त पछतावा रहा। जब समझौता वार्ता चली तो शास्त्रीजी की एक ही जिद थी कि उन्हें बाकी सब शर्तें मंजूर हैं परन्तु जीती हुई जमीन पाकिस्तान को लौटाना हरगिज मंजूर नहीं।

काफी जद्दोजहेद के बाद शास्त्रीजी पर अन्तर्राष्ट्रीय दबाव बनाकर ताशकन्द समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करा लिये गये। उन्होंने यह कहते हुए हस्ताक्षर किये थे कि वे हस्ताक्षर जरूर कर रहे हैं पर यह जमीन कोई दूसरा प्रधानमन्त्री ही लौटायेगा, वे नहीं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के साथ युद्धविराम के समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ घण्टे बाद 11 जनवरी 1966 की रात में ही उनकी मृत्यु हो गयी।

संस्कृत भाषा में स्नातक स्तर तक की शिक्षा समाप्त करने के पश्चात् वे भारत सेवक संघ से जुड़ गये और देशसेवा का व्रत लेते हुए यहीं से अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत की। शास्त्रीजी सच्चे गान्धीवादी थे जिन्होंने अपना सारा जीवन सादगी से बिताया और उसे गरीबों की सेवा में लगाया। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों व आन्दोलनों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही और उसके परिणामस्वरूप उन्हें कई बार जेलों में भी रहना पड़ा। स्वाधीनता संग्राम के जिन आन्दोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही उनमें 1921 का असहयोग आंदोलन, 1930 का दांडी मार्च तथा 1942 का भारत छोड़ो आन्दोलन उल्लेखनीय हैं।

दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैण्ड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया, गान्धी जी ने मौके की नजाकत को भाँपते हुए 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अँग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया और सरकारी सुरक्षा में यरवदा पुणे स्थित आगा खान पैलेस में चले गये। 9 अगस्त 1942 के दिन शास्त्रीजी ने इलाहाबाद पहुँचकर इस आन्दोलन के गान्धीवादी नारे को चतुराई पूर्वक मरो नहीं, मारो! में बदल दिया और अप्रत्याशित रूप से क्रान्ति की दावानल को पूरे देश में प्रचण्ड रूप दे दिया। पूरे ग्यारह दिन तक भूमिगत रहते हुए यह आन्दोलन चलाने के बाद 19 अगस्त 1942 को शास्त्रीजी गिरफ्तार हो गये।

शास्त्रीजी के राजनीतिक दिग्दर्शकों में पुरुषोत्तमदास टंडन और पण्डित गोविंद बल्लभ पंत के अतिरिक्त जवाहरलाल नेहरू भी शामिल थे। सबसे पहले 1929 में इलाहाबाद आने के बाद उन्होंने टण्डनजी के साथ भारत सेवक संघ की इलाहाबाद इकाई के सचिव के रूप में काम करना शुरू किया। इलाहाबाद में रहते हुए ही नेहरूजी के साथ उनकी निकटता बढ़ी। इसके बाद तो शास्त्रीजी का कद निरन्तर बढ़ता ही चला गया।

गया में ही क्यों किया जाता है पिंडदान

पितृपक्ष आते ही देशभर से बड़ी संख्या में लोग बिहार के गया पहुंचते हैं। यहां फल्गु नदी के तट पर पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि गया में विधि–विध ाान से पिंडदान करने से पितरों को शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

यही वजह है कि पितृपक्ष के दौरान गया देश के सबसे महत्त्वपूर्ण तीर्थस्थलों में शामिल हो जाता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर गया को पिंडदान और पितृश्राद्ध के लिए इतना महत्त्वपूर्ण क्यों माना जाता है? इसके पीछे पुराणों में वर्णित एक बेहद रोचक कथा और धार्मिक मान्यता जुड़ी हुई है।

भगवान विष्णु से जुड़ा है गया का महत्त्व– हिंदू धार्मिक ग्रंथों में गया का संबंध भगवान विष्णु से बताया गया है। मान्यता के अनुसार प्राचीन समय में गयासुर नाम का एक शक्तिशाली असुर था। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवताओं ने उसे ऐसा वरदान दिया कि उसके दर्शन मात्र से लोगों को पुण्य की प्राप्ति होने लगी। गयासुर के प्रभाव से देवताओं को चिंता हुई। इसके बाद भगवान विष्णु ने गयासुर से एक ऐसा स्थान देने को कहा, जहां यज्ञ और धार्मिक कर्म किए जा सकें। मान्यता है कि गयासुर ने अपना शरीर इसके लिए समर्पित कर दिया। कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने गयासुर के शरीर पर अपना चरण रखा और उसी स्थान पर उनके चरणचिह्न की पूजा होने लगी। आज गया का विष्णुपद मंदिर इसी धार्मिक मान्यता का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

विष्णुपद मंदिर में क्यों होता है पिंडदान– गया में स्थित विष्णुपद मंदिर में भगवान विष्णु के चरणचिह्न की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहां पिंडदान करने से पितरों को विशेष फल प्राप्त होता है। पितृपक्ष के दौरान देश के अलग–अलग हिस्सों से लोग अपने पूर्वजों के लिए श्राद्ध और तर्पण करने यहां पहुंचते हैं। कई परिवारों में यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। ल्गु नदी का भी है विशेष महत्त्व– गया में पिंडदान की परंपरा में फल्गु नदी का विशेष स्थान है। नदी के तट पर पिंडदान और तर्पण किया जाता है। फल्गु नदी से जुड़ी एक प्रसिद्ध धार्मिक कथा माता सीता से संबंधित है। मान्यता है कि भगवान राम और लक्ष्मण की अनुपस्थिति में माता सीता ने फल्गु नदी के किनारे राजा दशरथ का पिंडदान किया था। इसी कथा के कारण फल्गु नदी को पितृकर्म के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है।

अक्षयवट के बिना अधूरा माना जाता है गया श्राद्ध– गया में अक्षयवट का भी विशेष धार्मिक महत्त्व है। धार्मिक मान्यताओं में इसे ऐसा वृक्ष माना गया है जिसका संबंध पितरों के श्राद्ध से है। मान्यता है कि गया में पिंडदान और तर्पण के बाद अक्षयवट के दर्शन करने से श्राद्ध कर्म की पूर्णता होती है। यही वजह है कि गया आने वाले श्रद्धालु विष्णुपद मंदिर और फल्गु नदी के साथ अक्षयवट को भी अपनी धार्मिक यात्रा में शामिल करते हैं।

पितृपक्ष में क्यों उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़–हिंदू मान्यताओं में पितृपक्ष को पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का विशेष समय माना गया है। इस दौरान लोग अपने दिवंगत परिजनों को याद करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। गया को इन कर्मों के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। इसी विश्वास के चलते पितृपक्ष के दौरान यहां देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

पूर्वजों को याद करने की परंपरा– गया का पिंडदान केवल ध ाार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है। इसके पीछे भारतीय संस्कृति में पूर्वजों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और पारिवारिक स्मृति की गहरी परंपरा भी दिखाई देती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जब परिवार और पीढ़ियों के बीच दूरी बढ़ रही है, पितृपक्ष लोगों को अपने पूर्वजों और पारिवारिक जड़ों से जुड़ने का अवसर भी देता है। यही कारण है कि गया का पितृपक्ष आज भी करोड़ों लोगों की आस्था का महत्त्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है। फल्गु नदी, विष्णुपद मंदिर, अक्षयवट और पिंडदान की परंपरा मिलकर गया को भारत के प्रमुख पितृतीर्थों में विशेष स्थान प्रदान करते हैं।

डेंगू में पपीते के पत्तों का जूस पीना बहुत फायदेमंद

पपीता खाने से पाचन को दुरुस्त रखने के साथ साथ पेट की समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। पपीता एक ऐसा फल है जो आसानी से बाजार में मिल जाता है। पतीते को कच्चा और पका हुआ दोनों तरह से खाते हैं। इतना ही नहीं पपीते के बीज और पत्तों को भी सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है।

पपीते के पत्तों के जूस का सेवन करने से शरीर को कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाया जा सकता है।

पपीते के पत्ते में विटामिन ए, बी, सी, डी और ई के साथ–साथ एंटीऑक्सीडेंट्स, फलेवोनोइड्स, कैरोटीन जैसे महत्वपूर्ण तत्व पाए जाते हैं। पपीते के पत्तों को पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है। पपीते के पत्तों को औषधीय गुणों से भी भरपूर माना जाता है। पपीते के पत्तों को सबसे ज्यादा डेंगू होने पर किया जाता है। दरअसल पपीते के पतों के जूस का सेवन करने से शरीर में ब्लड प्लेटलेट्स को बढ़ाने में मदद मिलती है।

आइए जानते हैं पपीते के पत्तों का जूस पीने से शरीर को क्या क्या फायदे पहुंच सकते हैं।डेंगू होने पर पपीते के पत्तों का जूस पीना सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। ये जूस डेंगू से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा ये बुखार की वजह से गिरती प्लेटलेट्स और शरीर में हो रही कमजोरी को दूर करने में भी मदद करता है।पपीता को पाचन के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। लेकिन आपको बता दें कि सिर्फ पपीता ही नहीं बल्कि इसके पत्ते भी पाचन को दुरुस्त करने में मददगार होते हैं। पपीते के पत्तों के जूस का सेवन करने से पाचन को बेहतर रखा जा सकता है। इसमें पाए जाने वाले एंजाइम खाने को जल्दी पचाने का काम करते हैं और पेट को भी स्वस्थ रखते हैं। चंचलें

महिलाओं को अक्सर पीरियड्स के समय पेट में ऐंठन और दर्द की समस्या होती है। पीरियड्स के इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप पपीते के पत्तों का जूस बनाकर पी सकते हैं।

पपीते के पत्तों के जूस का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। पपीत के पत्तों क जूस शरीर को वायरल इंफेक्शन से बचाने में मदद करता है। इस जूस को पीने से खून में वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स को बढ़ाने में मदद मिलती है।

पपीते के पत्तों का जूस पीने से शरीर में आयरन की कमी को दूर किया जा सकता है। दरअसल ये ब्लड प्लेटलेट्स को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आपके अंदर आयरन की कमी है तो आप पपीते के पत्तों के जूस का सेवन कर सकते हैं।

एचडीएफसी बैंक के नए एमडी और सीईओ बने अनूप बागची

एचडीएफसी बैंक को नया एमडी और सीईओ मिल गया है। आरबीआई की मंजूरी के बाद अनूप बागची 27 अक्तूबर 2026 से बैंक की कमान संभालेंगे। मौजूदा प्रमुख शशिधर जगदीशन का कार्यकाल 26 अक्तूबर को खत्म होगा। लेकिन अनूप बागची कौन हैं? बैंक ने शीर्ष पद के लिए उनका नाम क्यों चुना? आईसीआईसीआई समूह में तीन दशक से ज्यादा के अनुभव ने उन्हें कितनी बड़ी जिम्मेदारी के लिए तैयार किया है?

भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में शामिल एचडीएफसी बैंक को नया मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मिल गया है। बैंक ने 1 अक्तूबर को बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी के बाद अनूप बागची को अगला एमडी और सीईओ नियुक्त किया गया है। वह 27 अक्तूबर 2026 से बैंक की कमान संभालेंगे। मौजूदा एमडी और सीईओ शशिधर जगदीशन का कार्यकाल 26 अक्तूबर को खत्म हो रहा है और उन्होंने अगले कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं मांगी है।

अनूप बागची 27 अक्तूबर से एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ का पद संभालेंगे। इससे पहले बैंक ने शीर्ष पद के लिए आरबीआई को दो नाम भेजे थे। इनमें अनूप बागची और एचडीएफसी बैंक के डिप्टी एमडी कैजाद भरूचा शामिल थे। आरबीआई ने बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 की धारा 35बी के तहत बागची की नियुक्ति और उनके पारिश्रमिक को मंजूरी दी है। बैंक ने यह भी बताया कि बागची को 2 अक्तूबर से अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति शेयरधारकों की मंजूरी मिलने तक रहेगी।

एचडीएफसी बैंक में नए एमडी और सीईओ की नियुक्ति को लेकर पिछले कुछ समय से चर्चा चल रही थी। अब बागची के नाम पर मुहर लगने के साथ यह प्रक्रिया पूरी हो गई है।

शशिधर जगदीशन का मौजूदा कार्यकाल 26 अक्तूबर को समाप्त होगा। उन्होंने अगले कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं मांगी। ऐसे में 27 अक्तूबर से बागची बैंक के शीर्ष पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। बैंक के मुताबिक, बागची को आरबीआई की मंजूरी मिलने के बाद यह नियुक्ति तय हुई है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ के नए एमडी और सीईओ होंगे सिद्धार्थ मिश्रा

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने सिद्धार्थ मिश्रा को कंपनी का नया मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर यानी एमडी और सीईओ नियुक्त करने का फैसला किया है। उनकी नियुक्ति पांच साल के लिए होगी। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

सिद्धार्थ मिश्रा 6 अक्टूबर 2026 से कंपनी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर यानी सीओओ की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके बाद 14 अक्टूबर 2026 या बीमा नियामक इरडा से मंजूरी मिलने की तारीख, इनमें से जो भी बाद में होगी, उस दिन से वह एमडी और सीईओ का पद संभालेंगे। उनकी नियुक्ति के लिए जरूरी नियामकीय और दूसरी मंजूरियां ली जाएंगी।

सिद्धार्थ मिश्रा मौजूदा एमडी और सीईओ अनूप बागची की जगह लेंगे। बागची ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 13 अक्टूबर 2026 को कामकाजी समय खत्म होने के बाद प्रभावी होगा। अनूप बागची अब एचडीएफसी बैंक की कमान संभालने जा रहे हैं। एचडीएफसी बैंक ने उन्हें अपना नया एमडी और सीईओ नियुक्त करने का ऐलान किया है। इसी के बाद उन्होंने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ से इस्तीफा दिया है।

सिद्धार्थ मिश्रा को बैंकिंग सेक्टर में 26 साल से ज्यादा का अनुभव है और वह लंबे समय से आईसीआईसीआई समूह से जुड़े हुए हैं। फिलहाल वह आईसीआईसीआई बैंक में डिजिटल चौनल और पार्टनरशिप, वॉयस चौनल, कस्टमर सर्विस, एनआरआई और आईएफआईजी कारोबार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

मिश्रा ने उत्कल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर से विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई की है। इसके अलावा उन्होंने फाइनेंस में विशेषज्ञता के साथ मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा किया है।

सिद्धार्थ मिश्रा की नियुक्ति के साथ आईसीआईसीआई समूह के अनुभवी अधिकारी को बीमा कंपनी की कमान सौंपने की परंपरा जारी रहेगी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ की अगुवाई पहले भी समूह के कई वरिष्ठ अधिकारी कर चुके हैं।

शिखा शर्मा ने 2000 से 2009 तक कंपनी का नेतृत्व किया। उनके बाद वी वैद्यनाथन ने मई 2010 तक करीब एक साल कंपनी की कमान संभाली। अगस्त 2010 में संदीप बख्शी एमडी और सीईओ बने और जून 2018 तक इस पद पर रहे। कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग में भी उनकी अहम भूमिका रही थी।

इसके बाद संदीप बख्शी आईसीआईसीआई बैंक के एमडी और सीईओ बने। बीमा कंपनी में उनकी जगह एन एस कन्नन ने ली, जिन्होंने 2018 से 2023 में अपनी रिटायरमेंट तक कंपनी का नेतृत्व किया। इसके बाद अनूप बागची ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ की कमान संभाली। अब उनके एचडीएफसी बैंक जाने के बाद सिद्धार्थ मिश्रा को यह जिम्मेदारी दी जा रही है।

मांग बढ़ने से सितंबर में बिजली की कमी 5 गुना बढ़ी, कोयला भंडार घटने से बढ़ी चिंता

ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया (ग्रिड–इंडिया) से प्राप्त ताजा आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भारत में बिजली की कमी बढ़कर 54.4 करोड़ यूनिट हो गई, जो अगस्त 2026 में दर्ज 9.8 करोड़ यूनिट की तुलना में 5 गुना से भी अधिक है। यह बढ़ोतरी मॉनसून सामान्य से कम रहने और आर्थिक गतिविधियों में तेजी के कारण बिजली की मांग बढ़ने से हुई है।

अप्रैल में बिजली की कमी 27 करोड़ यूनिट थी, जो अगस्त में घटकर 9.8 करोड़ यूनिट रह गई। सितंबर में बिजली की दैनिक कमी 15 सितंबर को सबसे ज्यादा 5.4 करोड़ यूनिट दर्ज की गई, जिसके बाद इसमें काफी गिरावट आई।

हालांकि, कुल बिजली की कमी मांग के मुकाबले महज 0.6 फीसदी रही। आंकड़ों के मुताबिक, 30 सितंबर को ग्रिड ने अधिकतम 248 गीगावॉट बिजली की मांग पूरी की। इस दिन शाम के व्यस्ततम घंटों में बिजली की कमी केवल 1,551 मेगावॉट रही।

ग्रिड–इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, सौर ऊर्जा उत्पादन के दौरान ग्रिड ने 248 गीगावॉट की अधिकतम बिजली मांग को पूरा किया और इस दौरान बिजली की कोई कमी नहीं रही। वहीं, सौर ऊर्जा उत्पादन के अलावा अन्य घंटों में अधिकतम मांग 235 गीगावॉट रही, जबकि इस दौरान बिजली की कमी 3,358 मेगावॉट दर्ज की गई। मई 2026 में भीषण गर्मी के कारण देश में बिजली की मांग बढ़कर 271 गीगावॉट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इसके बाद भी बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है। सितंबर में बिजली की खपत में करीब 11 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान है।

तीन नए लॉजिस्टिक पार्क से माल ढुलाई होगी आसान

देश में माल ढुलाई को आसान बनाने और व्यापार को रफ्तार देने के लिए केंद्र ने एक बड़ा कदम उठाया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के तहत काम करने वाली नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड देश भर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित कर रही है। इसी कड़ी में पटना, नासिक और हैदराबाद में तीन नए लॉजिस्टिक पार्क बनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है, जिन पर करीब 2,870 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

सूत्रों के मुताबिक, तीनों परियोजनाओं की अंतिम रिपोर्ट बनाकर स्वीकृति के लिए सरकार के पास भेज दी गई है। मंजूरी मिलते ही टेंडर और निर्माण की प्रक्रिया तेजी से शुरू कर दी जाएगी। पटना में 870 करोड़ रुपये की लागत से 103 एकड़ जमीन पर पार्क बनेगा। हैदराबाद में 1,300 करोड़ रुपये की लागत से सबसे बड़ा यानी 156 एकड़ में पार्क तैयार किया जाएगा। नासिक में 700 करोड़ रुपये की लागत से 123 एकड़ क्षेत्र में इसका निर्माण होगा।

दिल्ली–मुंबई रेल मार्ग पर यात्री और मालगाड़ियों का दबाव कम करने के लिए वडोदरा–रतलाम के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाई जाएगी। रेल मंत्रालय ने 259 किमी लंबी परियोजना को विशेष रेल परियोजना घोषित किया है।

एशियन गेम्स 2026 : भारत ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड मेडल, फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराया

टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराते हुए एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर भारत से मिले 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 192 रन ही बना सकी।

भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साहिबजादा फरहान बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 11 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए। उस्मान खान को भी सिर्फ 3 रनों के स्कोर पर अक्षर पटेल ने पवेलियन भेजा। माज सदाकत अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 18 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए।

39 के स्कोर पर 3 विकेट खोकर मुश्किल में नजर आ रही पाकिस्तान की पारी को हसन नवाज और सैम अयूब ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 87 रनों की साझेदारी निभाई। अयूब 29 रन बनाने के बाद शिवम दुबे का शिकार बने। हालांकि, हसन ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और तेज तर्रार अंदाज में अर्धशतक पूरा किया। हसन नवाज ने 51 गेंदों में 96 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह पाकिस्तान को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 7 छक्के लगाए। भारत की ओर से गेंदबाजी में अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने दो–दो विकेट चटकाए।

इससे पहले, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं ही और वैभव सूर्यवंशी सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, संजू सैमसन सिर्फ 2 रन ही बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद आउट हुए। ईशान किशन अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए और 18 गेंदों में 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि, अभिषेक ने एक छोर से शानदार बल्लेबाजी की और महज 28 गेंदों का सामना करते हुए 61 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में अभिषेक ने 3 चौके और 7 छक्के लगाए।

वहीं, उपकप्तान तिलक वर्मा बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। तिलक ने अपनी इस पारी में 3 चौके और 4 छक्के लगाए। उन्होंने शिवम दुबे (27 रन) के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी निभाई, जिसके बूते भारतीय टीम 200 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रही। पाकिस्तान की तरफ से गेंदबाजी में अहमद दानियाल और अराफात मिन्हास ने दो–दो विकेट चटकाए। हालांकि, फाइनल हारने के बावजूद, पाकिस्तान सिल्वर मेडल को अपने नाम करने में सफल रहा।

हार्दिक पांड्या ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर, सूर्यांश शेडगे को मौका

ऑस्ट्रेलिया–ए के खिलाफ छह से 11 अक्तूबर के बीच पुड्डुचेरी में होने वाली तीनमैचों की वनडे सीरीज से हार्दिक पांड्या बाहर हो गए हैं। चोट के कारण वह इंडिया–ए के लिए नहीं खेल सकेंगे। उनकी जगह मुंबई के बैटिंग ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया जा सकता है। सूर्यांश ने बंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

वह पहले मैच से पहले पुड्डुचेरी में टीम के साथ जुड़ गए हैं। हार्दिक ने आखिरी बार आईपीएल 2026 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उन्हें पिछले महीने इंडिया–ए टीम में चुना गया था, लेकिन चोट के कारण अब सीरीज से बाहर हो गए हैं। हार्दिक पांड्या के अलावा नमन धीर भी ऑस्ट्रेलिया–ए के खिलाफ तीन अनऑफिशियल वनडे नहीं खेलेंगे।

अभिषेक शर्मा ने पूरे किए टी20 में 400 छक्के, गेल को पीछे छोड़ बनाए दो बड़े रिकॉर्ड

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेल 2026 के स्वर्ण पदक मुकाबले में 28 गेंदों पर 61 रन की तूफानी पारी खेलकर दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनकी पारी में सात छक्के और तीन चौके शामिल रहे।

अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे किए और इस उपलब्धि तक पहुंचने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। वह गेंदों के लिहाज से टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे करने वाले दुनिया के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। अभिषेक ने 3513 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि गेल ने 3557 गेंदों में 400 छक्के पूरे किए थे। आंद्रे रसेल 3027 गेंदों में यह मुकाम हासिल कर इस सूची में शीर्ष पर हैं।

अभिषेक ने इसी पारी के दौरान एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 2026 में टी20 क्रिकेट में 100 छक्के पूरे कर लिए और एक कैलेंडर वर्ष में यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस साल 651 गेंदों में 100 छक्के पूरे किए और डिवाल्ड ब्रेविस तथा क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। इस सूची में भी आंद्रे रसेल 589 गेंदों के साथ सबसे आगे हैं।

फातिमा सना शेख बनीं 'पुलिस कंपनी' का हिस्सा

राम गोपाल वर्मा की आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म पुलिस कंपनी को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

इसी बीच खबर है कि अभिनेत्री फातिमा सना शेख भी इस परियोजना का हिस्सा हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से उनकी भूमिका को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिल्म में हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिका में हैं और वह मुंबई के चर्चित मुठभेड़ विशेषज्ञ दया नायक से प्रेरित किरदार निभा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फातिमा ने सितंबर में फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। बताया जा रहा है कि अभिनेत्री को एक विशेष भूमिका में लिया गया है, जो छोटी होने के बावजूद कहानी के लिहाज से अहम है। एक सूत्र के अनुसार, फिल्म में फातिमा का किरदार महज कैमियो तक सीमित नहीं है, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। शूटिंग के दौरान सेट पर सीमित लोगों की मौजूदगी रखी गई थी और उनके बॉडी डबल का भी इस्तेमाल किया गया था।

बताया जा रहा है कि पुलिस कंपनी को दो भागों में तैयार किया जा रहा है और फातिमा के किरदार का विस्तार दूसरे भाग में देखने को मिल सकता है। फिल्म में उनके किरदार से जुड़ी जानकारी फिलहाल गोपनीय रखी जा रही है। सूत्र के मुताबिक, उनका ट्रैक कहानी के एक अहम पहलू को सामने लाता है, यही वजह है कि उनकी कास्टिंग को सार्वजनिक नहीं किया गया है। राम गोपाल वर्मा की यह फिल्म मुंबई पुलिस और अंडरवर्ल्ड के बीच संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित एक्शन थ्रिलर के तौर पर तैयार की जा रही है।

यूट्यूब पर छाया 'नई नवेली' का ट्रेलर, फिल्म पर दर्शक लुटा रहे प्यार

'नई नवेली' का ट्रेलर अपने लॉन्च के बाद से ही यूट्यूब पर दर्शकों को अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है, इससे यह साफ है कि आने वाली फेंटेसी फैमिली एंटरटेनर के लिए दर्शकों के बीच उत्साह दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। बता दे की फिल्म का ट्रेलर हिंदी मूवी कैटेगरी में भारत भर में नंबर चार पर ट्रेंड कर रहा है, जबकि सभी भाषाओं के बीच यह छठे स्थान पर है। इसे यह साफ है कि फिल्म का डिजिटल सफर मनौती के साथ शुरू होने वाला है।

ट्रेलर में फिल्म की एक लंबी झलक सामने आती है, जिसमें अवस्थी परिवार की नई बहू बनी यामी गौतम धर उर्फ मोहिनी के इर्द-गिर्द फैले रहस्य दर्शकों को अपने साथ उसकी दिलचस्प दुनिया की तरफ खींच रहे हैं। ट्रेलर ने पारिवारिक रिश्तों, फैंटेसी, ह्यूमर, मिस्ट्री और एक्शन के अनोखे मेल को पेश करते हुए, फिल्म के लार्जर देन लाइफ ट्रीटमेंट पर चर्चा का माहौल गर्मा दिया है।फिल्म के केंद्र में मोहिनी है, जो की शुरुआत में एक परफेक्ट नई बहू लगती है। हालांकि, धीरे-धीरे उसके आसपास रहस्य का अंधेरा गहरा होता जाता है। यह रहस्य परिवार द्वारा की जा रही कल्पना से भी बड़ा है। जाने-पहचाने भारतीय परिवार के माहौल और कहानी के फैंटेसी एलिमेंट्स का कॉन्ट्रास्ट 'नई नवेली' के लिए एक अलग टोन सेट करता है। जबकि फिल्म की शानदार एन्सेम्बल कास्ट इसके ह्यूमर और अफरा-तफरी भरी एनर्जी को अलग लेवल पर पहुंचा देती है। फिल्म अपने दशहरा रिलीज के करीब है, ऐसे में ट्रेलर द्वारा यूट्यूब पर की जा रही यह शानदार परफॉर्मेंस दिखती है कि दर्शक कितनी बेसब्री से फिल्म देखने का इंतजार कर रहे हैं। बालाजी मोहन द्वारा डायरेक्टर और हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा द्वारा लिखी गई फिल्म नई नवेली में यामी गौतम धर, अदिनाथ एम कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचोरी अहम भूमिकाओं में हैं।

आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म का म्यूजिक जी. वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। यह फिल्म दशहरा से पहले यानी 16 अक्टूबर 2026 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

दूसरी तरफ यूट्यूब पर अपने मोमेंटम को आगे बढ़ते हुए नई नवेली धीरे-धीरे अपनी थियोरेटिकल रिलीज के करीब पहुंच रही है, जिससे दर्शकों के बीच उत्साह का माहौल बना हुआ है।

फिल्म तुम बिन की नायिका संदली को नहीं मिली उड़ान

तुम बिन जिया जाए कैसे, कैसे जिया जाए तुम बिन। ये गाना तो आपको याद ही होगा। 25 साल पहले आई फिल्म तुम बिन में यह गाना इतना पॉपुलर हुआ कि आज भी फैंस इसे गुनगुनाते हैं। हालांकि इस फिल्म के सितारे, जो लीड रोल में थे, वह आज लीड रोल से हटकर सपोर्टिंग रोल में आ गए हैं, जिसमें से प्रियांशु चटर्जी भी हैं। फिल्म की लीड एक्ट्रेस संदली सिन्हा करियर को ऊंची उड़ान नहीं दे पाईं।

बिहार की रहने वाली संदली सिन्हा एक एयरफोर्स फैमिली से आती हैं और पिता के निधन के बाद दिल्ली में रहने लगीं। उन्होंने 1997 में अपनी करियर टीवी से शुरू किया और तन्हा सीरियल में रोल मिला। इसके बाद वह शॉर्ट फिल्मों और विज्ञापनों में नजर आईं। अनुभव सिन्हा के साथ म्यूजिक वीडियो में काम करते हुए उन्हें तुम बिन में रोल ऑफर हुआ। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि सोनू निगम के म्यूजिक वीडियो दीवाना में संदली सिन्हा नजर आई थीं। वहीं 2001 में उन्होंने तुम बिन से डेब्यू किया और रातों रात फेमस हो गईं। इस फिल्म को अनुभव सिन्हा ने लिखा और डायरेक्ट किया था, जबकि संदली सिन्हा के अलावा 3 हीरो प्रियांशु चटर्जी, हिमांशु मलिक और राकेश बापट लीड रोल में नजर आए थे।

फिल्म भूतनाथ में भी बताया गया श्राद्ध का महत्व

श्राद्ध का महीना चल रहा है। सनातन धर्म में 26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक चलने वाले इन 16 दिनों में पितृपक्ष का खास महत्व होता है, जिसमें पितरों के लिए तर्पण और पिंडदान किया जाता है ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले और आशीर्वाद परिवार पर हर पल बना रहे। फिल्म भूतनाथ की कहानी एक पिता की थी, जिसे बेटे और बहू ने ठुकरा दिया और फिर अंजान ने उसका श्राद्ध करके मुक्ति दिलाई।

वर्ष 2008 में आई फिल्म भूतनाथ की, कहानी कैलाश नाथ (अमिताभ बच्चन) की है, जिसकी पत्नी की मृत्यु के बाद उसके बेटे बहू विदेश चले जाते हैं क्योंकि वह अपना घर बेचना नहीं चाहता। वहीं बेटे के जाते ही उसकी मौत सीढ़ियों से गिरकर हो जाती है। इसके बाद बेटा पिता का श्राद्ध तक नहीं करता। इसके चलते उसके मन में क्रोध भरा हुआ होता है, जिसके कारण वह अपने घर में किसी को टिकने नहीं देता और डराकर भगा देता है।

आस्कर के लिए भेजी गयी फिल्म गोंधल के विशेष शो

मराठी साइकोलॉजिकल थ्रिलर गोंधल पिछले दिनों काफी चर्चा में रही। इस फिल्म को भारत की ओर से ऑस्कर 2027 के लिए भेजा गया है। इस बीच फिल्म की वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले मेकर्स ने भारत के चुनिंदा सिनेमाघरों में एक्सक्लूसिव पेड प्रीव्यू दिखाए जाने का ऐलान किया है। यानी अब गोंधल की वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले ही दर्शक स्पेशल स्क्रीनिंग के जरिए ये फिल्म देख सकेंगे और मेकर्स ने इसका आधिकारिक ऐलान कर दिया है।

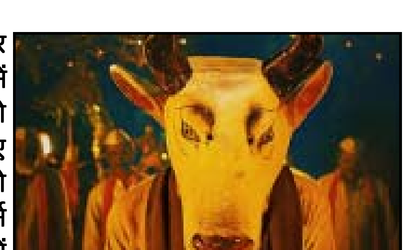

मेकर्स द्वारा किए गए ऐलान के अनुसार 6 शहरों में फिल्म की स्क्रीनिंग होगी और 6 भाषाओं में दर्शक ये फिल्म देख सकेंगे। मेकर्स द्वारा किए गए ऐलान के अनुसार, गोंधल की स्पेशल पेड प्रीव्यू स्क्रीनिंग 10 अक्टूबर से भारत के चुनिंदा शहरों के चुनिंदा सिनेमाघरों में होगी। गोंधल को दावखर फिल्म्स के बैनर तले दीक्षा दावखर ने प्रोड्यूस किया है। मेकर्स द्वारा जारी पोस्ट में लिखा था, 99वें एकेडमी अवॉर्ड्स के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री गोंधल, अपनी वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले, सिनेमा के शौकीनों के लिए 10 अक्टूबर से चुनिंदा शहरों और थिएटरों में खास पेड प्रीव्यू के साथ आ रही है।

प्रधान संपादक
रूचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम

कार्पोरेट कार्यालय-
सेक्टर-सी0-1, सी0-25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0-226012
टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रूचिर सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू अनुग्राफिक्स, पार्क रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 279 कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0-0522-4010844
Mail us-
tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in,
tvindialive.com,
www.facebook.com/tvindialive/
https://www.youtube.com@tvindialivedigi